लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 5483
05 अप्रैल, 2023 को उत्तर दिए जाने के लिए

मेक इन इंडिया कार्यक्रम

5483. श्री ओम पवन राजेनिंबालकर:
श्री संजय जाधव:
डॉ. चन्द्र सेन जादौन:

क्या वस्त्र मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) देश में 'मेक इन इंडिया' कार्यक्रम के अंतर्गत लाए गए उद्योगों का ब्यौरा क्या है और क्या इसमें वस्त्र उद्योग शामिल है अथवा उसे शामिल किए जाने का प्रस्ताव है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) उक्त कार्यक्रम के अंतर्गत सरकार द्वारा प्रोत्साहित वस्त्र सम्बन्धी नौकरियों और व्यवसायों का ब्यौरा क्या है;

(घ) क्या उत्तर प्रदेश और महाराष्ट्र में उक्त कार्यक्रम कार्यान्वित किए जा रहे हैं;

(ड़) यदि हां, तो विशेषकर फिरोजाबाद और परभणी संसदीय निर्वाचन क्षेत्रों का तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(च) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर
वस्त्र राज्य मंत्री
(श्रीमती दर्शना जरदोश)

(क) से (च): मेक इन इंडिया एक पहल है जिसकी शुरूआत 25 सितंबर, 2014 को निवेश को बढ़ाने नवाचार को बढ़ावा देने, उच्च स्तरीय अवसंरचना का निर्माण करने और भारत को विनिर्माण, डिजाइन और नवाचार का केंद्र बनाने के लिए की गई थी। यह 'वोकल फॉर लोकल' नामक विशिष्ट पहलों में से एक है जिसने भारत के विनिर्माण क्षेत्र को विश्व में बढ़ावा दिया है। मेक इन इंडिया पहल की उपलब्धियां महत्वपूर्ण हैं और वर्तमान में यह वस्त्र और अपैरल सहित 27 क्षेत्रों पर फोकस करती है।

सरकार वस्त्र क्षेत्र के विभिन्न उपक्षेत्रों से संबंधित मेक इन इंडिया कार्यक्रम के व्यापक उद्देश्य के तहत रोजगार और व्यवसाय को बढ़ावा दे रही है, जिसमें स्पिनिंग, वीविंग, गारमेंटिंग, प्रोसेसिंग, जूट, सिल्क, ऊन, हस्तशिल्प और हथकरघा शामिल है। उत्तर प्रदेश और महाराष्ट्र राज्य के विभिन्न जिलों/संसदीय निर्वाचन क्षेत्रों सहित अखिल भारत स्तर पर वस्त्र क्षेत्र के समग्र संवर्धन और विकास के लिए प्रधानमंत्री मेगा एकीकृत वस्त्र क्षेत्र और अपैरल (पीएम-मित्र) पार्क, उत्पादन संबद्ध प्रोत्साहन (पीएलआई), राष्ट्रीय तकनीकी वस्त्र मिशन (एनटीटीएम), सिल्क समग्र, एकीकृत वस्त्र पार्क योजना (एसआईटीपी), राष्ट्रीय हस्तशिल्प विकास कार्यक्रम (एनएचडीपी) और राष्ट्रीय हथकरघा विकास कार्यक्रम (एनएचडीपी) आदि जैसी विभिन्न योजनाएं क्रियान्वित की जा रही हैं।

***